Fourteenth Loksabha

Session : 6

Date : 01-12-2005

Participants : Singh Shri Chandra Bhushan

>

Title : Functioning of Gramin Bank in the country.

श्री चन्द्रभूाण सिंह (फर्रुखाबाद) : माननीय अध्यक्ष जी, रिजर्व बैंक के इंस्ट्रक्शन्स और फायनेंस मिनिस्टर के इंस्ट्रक्शन्स के बाद भी देश के जितनी भी रीजनल रूरल बैंक्स (आर.आर.बी.) हैं वे किसानों से ज्यादा रेट ऑफ इंटरैस्ट चार्ज कर रही हैं।

सदन इस बात से अवगत है कि जब देश स्वतंत्र हुआ था, तो एग्रीकल्चर से टोटल 52 प्रतिशत इन्कम थी। आज वह घटकर 30 प्रतिशत के आसपास रह गई है। आज ही के अखबार में मैंने पढ़ा कि देश में सर्विस सैक्टर की ग्रोथ 12 प्रतिशत से ऊपर है और एग्रीकल्चर की ग्रोथ मात्र 1.8 प्रतिशत है।

महोदय, आपके माध्यम से मेरा सरकार से आग्रह है कि रिजर्व बैंक के इंस्ट्रक्शन्स के बाद भी आर.आर.बी., सी.सी. लिमिट पर 13.5 प्रतिशत ब्याज चार्ज कर रही हैं जबकि नैशनलाइज्ड बैंक मात्र 10 प्रतिशत चार्ज करते हैं। जो लोग एग्रीकल्चर सैक्टर में छोटी-छोटी कॉटेज इंडस्ट्रीज लगाते हैं, छोटे-छोटे उद्योग-धंधे लगाते हैं, उनसे यदि ग्रामीण बैंक 13.5 प्रतिशत इंटरैस्ट चार्ज करते हैं, तो मैं यह निश्चित ही मानकर चलता हूं कि इस सरकार की नीयत कृाि को बढ़ावा देने की नहीं है। इसलिए मैं निवेदन करना चाहता हूं कि इस ओर सरकार को ध्यान देना चाहिए और आर.आर.बी. के रेट ऑफ इंटरैस्ट को कम करना चाहिए।